डीएवीवी को सामूहिक प्रयासों से मिला ए प्लस ग्रेड

इंटरव्यू डॉ. रेणु जैन, कुलपति डीएवीवी

नेहा जैन • इंदौर

मो.नं. 9993777268

शैक्षणिक राजधानी के रूप में ख्यात इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के लिए वर्ष 2019 विवादित होने के साथ कुछ नायाब उपलब्धियों भरा रहा। इसी वर्ष विवि को अपने 55 वर्ष के इतिहास की पहली महिला कुलपति भी मिली।25 जुलाई 2019 को 63 वर्षीय डॉ. रेणु जैन ने बतौर कुलपति पदभार ग्रहण किया। उनकी नियुक्ति के पहले विश्वविद्यालय में जारी घमासान के मद्देनजर उनके शुरुआती कार्यकाल को कांटों भरी राह के रूप में देखा जा रहा था। ऐसे में डॉ. जैन का 5 महीने का कार्यकाल हलके-फुल्के विवादों के साथ उपलब्धियों भरा रहा। कुलपति से पीपुल्स समाचार ने खास बातचीत की। प्रस्तुत हैं खास अंश:-

प्र- आपका 5 माह का शुरुआती कार्यकाल कैसा रहा ?

उ- (मुस्कुराते हुए) मेरा काम, कामों को करना है। उसका आकलन करना आपका काम है। इस बारे में स्टाफ और विद्यार्थी आपको वास्तविक जानकारी दे सकते हैं।

प्र- आपने पद संभालने के बाद विपरीत परिस्थितियों का कैसे सामना किया ?

उ- जून 2019 में विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर असंतुष्टि सामने आई थी। फलस्वरूप एक माह बगैर कुलपति यूनिवर्सिटी चलती रही। प्रारंभिक चुनौती तो प्रवेश प्रक्रिया को दुरुस्त करना और सत्रह हजार से ज्यादा छात्रों के संकटग्रस्त भविष्य को संरक्षित करना था। जिसके लिए मैंने प्रयास शुरू किए। पूरे स्टाफ ने बतौर श्रेष्ठतम सहयोगी मेरा साथ दिया और व्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की सकारात्मक शुरुआत हुई।

प्र- आपके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है ?

उ- बतौर कप्तान मेरी उपलब्धियों का श्रेय मेरी टीम को जाता है। विश्वविद्यालय को नैक की ए प्लस ग्रेड मिलना हमारे सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इसी तरह विश्वविद्यालय में मेरे कार्यकाल में हुई छोटी-बड़ी अनियमितताओं और गलतियों की पूरी जिम्मेदारी मेरी है।

प्र- आप किन गलतियों और किन खामियों की बात कर रही हैं ?

उ- (मुस्कुराते हुए) मैं तमाम शिकायतों की पृष्ठभूमि में न जाते हुए सकारात्मक सुधार की दिशा में बढ़ने वाली महिला हूं। वर्ष 2019 बीत चुका है। वर्ष 2020 का स्वागत है। निश्चित तौर पर राष्ट्र स्तरीय विश्व विद्यालय को नए शिखर पर पहुंचाने के प्रयास करुंगी।

प्र- छात्रों के जीवन में राजनीति को कैसे देखती हैं ?

उ- छात्र राजनीति से कई अच्छे नेता देश को मिले हैं। बिलकुल आना चाहिए।

प्र- एनआरसी और एनपीआर पर छात्रों के देशव्यापी प्रदर्शन को कैसे देखती हैं ?

उ- मुझे लगता है कि एनआरसी और एनपीआर पर बहुत सारा कन्फ्यूजन है। यह दूर होना चाहिए।

प्र- विवि में क्या अव्यवस्था और अनियमितता दिखती है ?

उ- अव्यवस्था की बात की जाए तो सुरक्षा और सफाई व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। यह व्यवस्था बदली जा रही है। नए साल में नए लोगों को टेंडर जारी हो, इसके लिए ठेकों को रिवाइज कर रहे हैं।

प्र- देश में शिक्षा पर सबसे कम खर्च होता है ?

उ- ऐसा नहीं है। हाल ही में यूजीसी ने नई स्कीम में शिक्षा का बजट बढ़ाया है। डीएवीवी में चार शोधपीठ बनाने के लिए एप्लाई किया गया है।

पिपुल्स समाचार 11.1.2020

सद्विचार छात्रों के लिए आध्यात्मिक कार्यशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में किया गया आयोजन

सफलता के लिए मन वश में कर अच्छी संगति जरुरी

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में छात्रों के विचारों को सकारात्मक सोच की ओर प्रभावशील करने हेतु एक दिवसीय आध्यात्मिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित अक्षय पात्र फाउंडेशन के आध्यात्मिक गुरु प्रभु जी द्वारा छात्रों को अध्यात्म के बारे में वृहद जानकारी देते हुए संस्थान के बारे में बताया कि अक्षय पात्र फाउंडेशन के संस्थापक आचार्य भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद है। यह ऐसी संस्था है जहाँ बच्चों को खाना प्रदान किया जाता है, साथ ही अक्षय पात्र के माध्यम से शिक्षा का स्तर बढ़ाया है। उन्होंने कहा आंखे बंद कर शांत अवस्था में रहने पर 30 सेकंड में मन मे 20 तरह के विचार आते है मतलब 24 घण्टे में 15000 से भी ज्यादा विचार [illegible] मे आते है। [illegible]

को नियंत्रित कर लो तो सब सफल हो जाता है। विचार से चरित्र का पता चलता है, जीवन मे अगर सफलता चाहिए तो मन को वश में कर अच्छी संगति में रहना जरूरी है।

पत्रकारिता जगत सजग प्रहरी

कार्यक्रम के बारे में पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययन शाला की विभागाध्यक्ष डॉ.सोनाली नरगुंदे ने बताया कि पत्रकारिता जगत समाज से जुड़ा हुआ सजग प्रहरी होता है। जब तक व्यक्ति के मन मे सकारात्मक सोच के साथ उर्जा का संचार नही होता तब तक समाज में फैली विकृति को दूर नहीं किया जा सकता है। हमने इस कार्यशाला में एक शेसन भजनसंकीर्तन का रखा था ये छात्रों के अंदर की डर व झिझक को हटाने के लिए रखा गया था जिससे छात्र अपने आप को बेहतर तरीके से बिना डर समाज के बीच मे प्रस्तुत कर सके, पत्रकारिता जगत से जुड़े व्यक्ति को पूर्णत: स्वतंत्र होना आवश्यक है। तभी वह अपने अंदर की कला को बिखेर पाएगा। कार्यशाला के अंत मे छात्रों को प्रसाद वितरित कर महत्वपूर्ण पुस्तकों से सम्बंधित जानकारी दी गई, आयोजित कार्यशाला में आए हुए अतिथि जनों का आभार विभाग की प्रो. कामना लाड़ ने व्यक्त किया।

राज न्यूज 11.1.2020